

Gwala Balaan De Sirmaur Kanhaiya Ne Lyrics in Hindi and English

Gwala Balaan De Sirmaur Kanhaiya Ne Lyrics in Hindi

गवाला बालां दे सिरमौर कन्हई ने,
गवाला बालां दे सिरमौर कन्हई ने,
धुम्मा पाइयां मक्खन चोर कन्हई ने

छैल छबीला रसिया रंग रंगीला ऐ,
नवियां नवियां कर्दा रेहन्दा लीला ऐ
नटवर नागर नंद किशोर कन्हई ने,
धुम्मा पाइयां मक्खन,
गवाला बालां दे सिरमौर कन्हई ने,

मन मेरा मोह लैदा जद मुरली वजांदा ऐ,
वस्स कर लैदा ऐसा जादू पांदा ऐ
राधा रमण हरि चितचोर कन्हई ने,
धुम्मा पाइयां मक्खन,
गवाला बालां दे सिरमौर कन्हई ने,

रासां पांदां सबनू नाच नचांदा ऐ,
मक्खन गोपियां दा ऐ लुट लुट खांदा ऐ
वृंदावन दे बांके मोर कन्हई ने,
धुम्मा पाइयां मक्खन,
गवाला बालां दे सिरमौर कन्हई ने,

कहे “मधुप” हरि दे खेल न्यारे ने,
अपने भक्तां दे सब कम सवारे ने
रखी हथ विच सब दी डोर कन्हई ने,
धुम्मा पाइयां मक्खन,
गवाला बालां दे सिरमौर कन्हई ने,

Gwala Balaan De Sirmaur Kanhaiya Ne Lyrics in English

Gwala baalan de sirmor Kanhai ne,
Gwala baalan de sirmor Kanhai ne,
Dhumma paiyaan makkhan chor Kanhai ne.

Chhail chhabeela rasiya rang rangeela ae,
Naviyaan naviyaan karda rehnda leela ae,
Natwar nagar Nand Kishore Kanhai ne,
Dhumma paiyaan makkhan,
Gwala baalan de sirmor Kanhai ne.

Mann mera moh layinda jad murli wajanda ae,
Vas kar layinda aisa jadoo painda ae,
Radha Raman Hari chitchor Kanhai ne,

Dhumma paiyaan makkhan,
Gwala baalan de sirmor Kanhai ne.

Raasa paanda sabnu naach nachaanda ae,
Makkhan gopiyan da ae lut lut khaanda ae,
Vrindavan de banke mor Kanhai ne,
Dhumma paiyaan makkhan,
Gwala baalan de sirmor Kanhai ne.

Kahe "Madhup" Hari de khel nyaare ne,
Apne bhaktaan de sab kam sawaare ne,
Rakhi hath vich sab di dor Kanhai ne,
Dhumma paiyaan makkhan,
Gwala baalan de sirmor Kanhai ne.

About Gwala Balaan De Sirmaur Kanhaiya Ne Bhajan in English

"Gwala Baalan De Sirmor Kanhaiya Ne" is a lively and devotional bhajan dedicated to **Lord Krishna**, also known as **Kanhaiya**, celebrating his divine childhood, playful nature, and the love he shares with the cowherds (Gwalas) and the Gopis of **Vrindavan**. The bhajan highlights various aspects of Krishna's life, emphasizing his beauty, charm, and the miraculous acts he performed during his early years.

- **Krishna as the Leader of the Cowherds:** The bhajan begins by acknowledging Krishna's role as the leader and protector of the **Gwalas** (cowherds). "Gwala baalan de sirmor Kanhaiya ne" refers to Krishna being the revered and respected leader among the cowherds, who follow him with great devotion. His playful acts and leadership in tending to the cows are celebrated here.
- **Krishna's Divine Playfulness:** The bhajan also speaks of Krishna's playful nature, with references to his mischievous deeds like stealing butter. "Dhumma paiyaan makkhan chor Kanhaiya ne" celebrates Krishna as the butter thief (Makhan Chor), a beloved characteristic where he steals butter from the Gopis, endearing him to all those around him.
- **Krishna's Charm and Beauty:** Krishna's beauty and charm are further highlighted with "Chhail chhabeela rasiya rang rangeela ae," referring to Krishna's captivating appearance and his joyful, colorful nature. His charm not only attracts the hearts of his devotees but also paints the vibrant and joyful image of Vrindavan.
- **Krishna as the Divine Flute Player:** "Mann mera moh layinda jad murli wajanda ae" speaks about the enchanting sound of Krishna's flute that captivates the hearts of his devotees and draws them closer to him. His divine music is said to mesmerize all who hear it, creating a magical bond between him and his followers.
- **Krishna's Dance and the Raas Leela:** The bhajan mentions Krishna's famous dance, the **Raas Leela**, in which he dances with the Gopis of Vrindavan, spreading joy and love. "Raasa paanda sabnu naach nachaanda ae" captures the essence of Krishna's ability to make everyone dance to his divine rhythm, creating an atmosphere of bliss and unity.
- **Krishna's Protection and Guidance:** The bhajan concludes by acknowledging Krishna's protective and guiding nature, with the line "Rakhi hath vich sab di dor Kanhai ne," symbolizing Krishna as the one who holds the thread of fate in his hands, guiding and safeguarding his devotees.

Overall, “Gwala Baalan De Sirmor Kanhaiya Ne” is a joyful and spirited bhajan that celebrates Lord Krishna’s playful, loving, and divine qualities. It highlights his leadership among the cowherds, his mischievous acts with the Gopis, his enchanting flute music, and his role as the eternal protector and guide. This bhajan invites devotees to immerse themselves in Krishna’s love, his playful divine acts, and his eternal bond with all his devotees.

About Gwala Balaan De Sirmaur Kanhaiya Ne Bhajan in Hindi

“गवाला बालां दे सिरमौर कन्हैया ने” भजन के बारे में

“गवाला बालां दे सिरमौर कन्हैया ने” एक जीवंत और भक्ति से भरा भजन है जो भगवान श्री कृष्ण के बाल रूप और उनकी प्रेमपूर्ण लीलाओं को प्रस्तुत करता है। इस भजन में भगवान श्री कृष्ण की दिव्यता, उनके गोवर्धन में गायों के साथ बिताए गए बचपन, और ग्वालों (गोपियों) के साथ उनकी अद्भुत मस्ती और आकर्षण का वर्णन किया गया है। यह भजन कृष्ण के खेल, उनके अद्भुत व्यक्तित्व, और उनके भक्तों के प्रति असीम प्रेम को उत्सव और उल्लास के साथ गाता है।

- **कृष्ण का ग्वालों के साथ नेतृत्व :** भजन की शुरुआत कृष्ण को ग्वालों (गाय चराने वालों) के प्रमुख और संरक्षक के रूप में प्रस्तुत करते हुए होती है। “गवाला बालां दे सिरमौर कन्हैया ने” पंक्ति में कृष्ण को ग्वालों के बीच सम्मान और पूजा जाने वाले नेता के रूप में दिखाया गया है, जो अपनी गोवर्धन लीला और गायों के साथ बिताए गए समय में उनके मार्गदर्शक बने।
- **कृष्ण का चंचल और मस्ती भरा रूप :** भजन में कृष्ण के चंचल रूप का भी जिक्र किया गया है, जैसे कि उनका माखन चोरी करना। “धुम्मा पाइयां माखन चोर कन्हैया ने” पंक्ति में कृष्ण के माखन चोर के रूप में व्यक्तित्व का गुणगान किया गया है, जहां वे गोपियों का माखन चुराते थे, जो उनके प्यारे और मस्ती भरे स्वभाव को दर्शाता है।
- **कृष्ण की सुंदरता और आकर्षण :** भजन में कृष्ण के रूप और आकर्षण का भी वर्णन किया गया है। “छैल छबीला रसिया रंग रंगीला ऐ” पंक्ति में कृष्ण के रूप और रंगीन रूप का उल्लेख है, जो उनकी सुंदरता और आकर्षण को दर्शाता है। कृष्ण का रूप हमेशा भक्तों के दिलों को छू जाता था।
- **कृष्ण की बांसुरी की मधुर ध्वनि :** भजन में कृष्ण की बांसुरी की ध्वनि का जिक्र करते हुए यह बताया गया है कि कृष्ण की बांसुरी की आवाज़ उनके भक्तों को आकर्षित करती है। “मन मेरा मोह लैदा जद मुरली वजांदा ऐ” पंक्ति में कृष्ण की बांसुरी की धुन का जादू और भक्तों के मन को लुभाने का संदेश दिया गया है।
- **रास लीला और कृष्ण का प्रेम :** भजन में कृष्ण की रास लीला का भी वर्णन है, जिसमें कृष्ण अपनी बांसुरी की धुन पर गोपियों के साथ नृत्य करते हैं। “रासां पांदां सबनू नाच नचांदा ऐ” पंक्ति कृष्ण के प्रेम और नृत्य के प्रभाव को दर्शाती है, जो सभी को एक साथ जोड़े और खुशी का वातावरण उत्पन्न करता है।
- **कृष्ण का संरक्षण और मार्गदर्शन :** भजन में यह भी दिखाया गया है कि भगवान कृष्ण अपने भक्तों की सुरक्षा करते हैं और उनका मार्गदर्शन करते हैं। “रखी हाथ विच सब दी डोर कन्हैया ने” पंक्ति में यह बताया गया है कि कृष्ण अपने भक्तों की डोर अपने हाथों में रखते हैं, और वे हमेशा उनका मार्गदर्शन और संरक्षण करते हैं।

कुल मिलाकर, “गवाला बालां दे सिरमौर कन्हैया ने” एक सुंदर भजन है जो भगवान श्री कृष्ण के बचपन के अद्भुत रूपों और उनकी लीलाओं का वर्णन करता है। यह भजन कृष्ण के प्रेम, उनकी मस्ती, उनकी बांसुरी की मधुर ध्वनि और उनके भक्तों के लिए उनकी असीम स्नेह और देखभाल को प्रदर्शित करता है। यह भजन भक्तों को भगवान श्री कृष्ण की दिव्य उपस्थिति और उनके साथ प्रेमपूर्ण संबंध में जीने की प्रेरणा देता है।